ऑनलाईन परिसंवाद
(Online symposium)

समकालीन परिप्रेक्ष्य :
बौद्ध दर्शन की भूमिका एवं महत्व

07.05.2020

प्रति,

_____

_____

_____

:: प्रेषक ::

कुलसचिव
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) जिला–इन्दौर (म.प्र.)
ब्राउस वेबसाईट–http://www.brauss.in
ईमेल–kvbrauss@gmail.com

डॉ .बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय (ब्राउस)

मध्य प्रदेश के इन्दौर जिले में डॉ.अम्बेडकर नगर (महू) तहसील के ग्राम डोंगरगॉव में ब्राउस परिवार 40 एकड़ में स्थित है। जहॉ प्रशासनिक भवन, महात्मा फूले पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर केन्द्र, बहुउद्देशीय भवन बुद्ध विहार, गेस्ट हाऊस, संकाय भवन में विभिन्न शैक्षणिक अध्ययनशालाओं के विभाग एवं संकाय सदस्यों व रिसर्च स्टॉफ के कक्ष, सेमिनार हॉल, अध्यापन हेतु कक्षाएं व्यवस्थित है। मेस सुविधा सहित छात्र एवं छात्रों हेतु पृथक–पृथक छात्रावास, केन्टीन, खेल कूद का मैदान, बैंक एवं डाकघर की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अध्यक्ष : प्रो. आशा शुक्ला, कुलपति
उपाध्यक्ष : डॉ. दीपक कुमार वर्मा, अधिष्ठाता व डायरेक्टर
संयोजक : डॉ. कौशलेन्द्र वर्मा, सहायक प्राध्यापक

संपर्क:

संयोजक –
डॉ. कौशलेन्द्र वर्मा
डॉ. अम्बेडकर विचार एवं दर्शन अध्ययनशाला
मो. 9713255588, ईमेल kvbrauss@gmail.com

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) जिला–इन्दौर (म.प्र.)

ऑनलाईन परिसंवाद
(Online symposium)

07.05.2020

समकालीन परिप्रेक्ष्य :
बौद्ध दर्शन की भूमिका एवं महत्व

: द्वारा आयोजित :

लार्ड बुद्धा चेयर
ब्राउस, डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)

विश्वविद्यालय–स्थापना एवं परिचय :

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय (ब्राउस) की स्थापना मध्यप्रदेश शासन द्वारा 2015 में, डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान महू को विश्वविद्यालय के रुप में परिणित किया गया हैं। इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण मध्य प्रदेश है। म.प्र. के महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं प्रो. आशा शुक्ला कुलपति हैं।

विश्व विद्यालय का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जातियों, जन जातियों तथा अन्य पिछडे वर्गो हेतु सामाजिक उत्थान एवं न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण एवं विकास , शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं कौशल विकास तथा नीति निर्धारण एवं राष्ट्र निर्माण में सहभागिता हेतु सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के अन्य विषयों के नए–नए आयामों तथा तकनीकों से समन्वय कर अंत:विषयक एवं बहुविषयक रचनात्मक अभिगम द्वारा उच्च शिक्षा, गवेषण, विस्तार और प्रशिक्षण के माध्यम से न्याय, स्वतन्त्रता, समानता, समरसता, बन्धुत्व, पर आधारित समता–मूलक समाज की स्थापना करना है।

विश्वविद्यालय में शोध, प्रसार व प्रशिक्षण निदेशालय के अतिरिक्त 11 स्कूल हैं, यथा – (1) डॉ.अम्बेडकर विचार व दर्शन (2) सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला (3) प्रबन्धन अध्ययनशाला (4) सैन्य विज्ञान अध्ययनशाला (5) कृषि अध्ययनशाला (6) शिक्षा अध्ययनशाला (7) लैंगिक अध्ययन अध्ययनशाला (8) विधि व सामाजिक न्याय (9) सूचना विज्ञान अध्ययनशाला (10) मानविकी और भाषाएँ अध्ययनशाला (11) योग अध्ययनशाला

ऑनलाईन परिसंवाद
(Online symposium)
समकालीन परिप्रेक्ष्य :
बौद्ध दर्शन की भूमिका एवं महत्व

बुद्व पूर्णिमा के अवसर पर विश्वविद्यालय में ''समकालीन परिप्रेक्ष्य : बौद्ध दर्शन की भूमिका एवं महत्व'' विषय पर दिनांक 07.05.2020 को परिसंवाद का आयोजन किया गया रहा है। महात्मा बुद्ध द्वारा प्रतिपादित बौद्ध दर्शन से ही वर्तमान समय में विश्व शान्ति की स्थापना हो सकती है। क्योंकि बौद्ध दर्शन मानव को सांसारिक दुखों से मुक्ति एवं मध्यममार्ग पर चलने का मार्ग प्रशस्त करता हैं। भारतीय भूमि एक प्रकार से मानवता की भूमि है तथा यह विश्व का ऐसा दर्शन है जिसमें सभी धर्मों के लिये दरबाजे खुले है तथा यह दर्शन सम्पूर्ण मानवता के लिये मंगलमय कामना करता है। आज विज्ञान दिन प्रतिदिन प्रगति की ओर अग्रसर है लेकिन विश्व शान्ति विज्ञान से पैदा नहीं होगी बल्कि बौद्धधर्म को अपनाने तथा उसके सिद्धान्तों का पालन करते हुये एवं मानसिक रूप से स्वयं में परिवर्तन करने से आयेगी। अतः महात्मा बुद्ध के विचार आज के समय में अत्यन्त प्रासंगिक है जिनका आचरण कर हम अपने जीवन तथा सर्बमय विश्व के कल्याण की कामना कर सकते हैं।

लार्ड बुद्धा चेयर का परिचय –

महात्मा बुद्ध का जीवन एवं दर्शन प्राचीन, धार्मिक मुख्यधारा से अलग पहचान बनाकर नये दर्शन का प्रतिपादन किया, वह था बौद्ध दर्शन। बौद्ध दर्शन में दुख की सर्वव्याकता, उसके कारण एवं निरोध का मार्ग और जीवन का परम उद्देश्य निर्वाण जैसे विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। जाति–पांति एवं कर्मकाण्ड का विरोध तथा आंतरिक शुद्धि एवं सदाचरण पर जोर बौद्ध दर्शन का क्रान्तिकारी विचार रहा। बौद्ध दर्शन उच्च नैतिक मूल्यों की स्थापना एवं मध्यम वर्ग पर अग्रसर होने की नई दिशा प्रदान करता है। इसलिए उसके सिद्धांत निःसंदेह सार्वजनिक महत्व के है।

पंजीयन प्रपत्र

1. नामः .....
2. जेंडरः .....
3. पदः .....
4. संस्था का नामः .....
   .....
5. दूरभाष/मोबाईलः .....
6. ईमेलः .....
7. शोध पत्र का शीर्षकः .....
   .....
   .....

(ए4 साईज के पेपर में कृतिदेव 10 फोंट साईज 14 सिंगल स्पेस/टाईम्स न्यू रोमन 12 फाण्ट साइज, सिंगल स्पेस, एक पेज में संक्षेपिका तथा फुल पेपर 8 से 20 पेज में दिनांक 07.05.2020 को प्रातः 10.30 बजे तक **व्हाटसएप नं. 9713255588** पर भेंजे)

8. ऑनलाइन परिसंवाद चर्चा सत्र दिनांक 07.05.2020 को दोपहर 3.00 से 4.15 बजे तक होगा। परिसंवाद

कार्यक्रम विवरण (समय दोपहर 3.00 से 4.15 बजे तक)

1.	3.00-3.05pm	डॉ. कौशलेन्द्र वर्मा, परिसंवाद परिचय
2.	3.05-3.15pm	प्रो. डी.के. वर्मा, प्रस्तावना एवं स्वागत उद्बोधन
3.	3.15-3.25pm	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, वक्ता महात्मा गांधी अर्न्तराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा
4.	3.25-3.35pm	डॉ.एस.एल.निर्मल, लाइब्रेरियन, शासकीय पी.जी. कॉलेज, पीथमपुर
5.	3.35-3.45pm	डॉ. राघवेन्द्र हुणमाडे, विशिष्ट वक्ता, शिक्षा संकाय, दे.अ.वि.वि., इन्दौर
6.	3.45-3.55pm	प्रो. सत्येन्द्र कुमार मिश्रा,मुख्य वक्ता, डॉ. अम्बेडकर चेअर, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
7.	3.55-4.10pm	प्रो. आशा शुक्ला, माननीय कुलपति, ब्राउस, अध्यक्षीय उद्बोधन
8.	4.10-4.15pm	धन्यवाद ज्ञापन।

: विशेष अनुरोध :

URL:https://meetingsapac16.webex.com/meetingsapac16/j.php?MTID=maa3102efa73593d4174303a490b726ea

मीटिंग **Cisco webex meet** के माध्यम से की जावेगी, मीटिंग हेतु उपरोक्त लिंक पर क्लिक करें। मीटिंग आई.डी. **918476965**,पासवर्ड **1234** है।

दिनांकः 07 मई, 2020 आवेदक का नाम एवं हस्ताक्षार